कृषि-उद्यमी का सफरनामा

मनप्रीत कौर*, रविंदर सिंह** और **सुमन कुमार***

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के झंडुता खंड के फगोग गांव के निवासी श्री भारत भूषण ने सब्जी की खेती की आधुनिक पद्धति को अपनाकर अपने आसपास के क्षेत्र में सफल उद्यमी की मिसाल कायम की है। अनाज और तिलहन की कम उत्पादकता के कारण, उन्होंने सब्जी की खेती की ओर रुख किया। उन्होंने सिंचाई के मुख्य स्रोत के रूप में तालाबों और नलकूपों का उपयोग करके लगभग 5 बीघा बारानी भूमि को खेती योग्य भूमि में परिवर्तित कर दिया।

श्री भारत भूषण ने वर्ष 2018 में जिमीकंद सहित विभिन्न सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी, गांठगोभी, चुकंदर, भिंडी, शिमला मिर्च, खीरा, प्याज आदि को उगाना शुरू किया था। वैज्ञानिक सब्जी उत्पादन की तकनीकी जानकारी की कमी के कारण, उन्हें एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, बरठीं, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश का दौरा कराया गया। इसके साथ ही उन्हें सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से अवगत भी करवाया गया।

कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित उन्नत

तैयार होती सब्जी पौद

*चौ.स.कु कृषि विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान केंद्र, बरठीं, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश);**चौ.स.कु कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर

किस्मों के बीजों और सिंचाई सुविधा का उपयोग करना शुरू किया। इसके फलस्वरूप प्रति हैक्टर उनकी उत्पादकता पिछले वर्ष की तुलना में 2 गुना तक बढ़ गई। दूसरे वर्ष, क्षेत्र में प्रचलित बंदरों की समस्या के कारण, उन्हें जिमीकंद की उन्नत किस्म 'पालम जिमीकंद-1' की खेती के तहत क्षेत्र बढ़ाने की सलाह दी गई। उन्होंने पांच बीघा क्षेत्र में अन्य सब्जियों जैसे फूलगोभी, हरी पत्तेदार सब्जियों आदि के साथ जिमीकंद की फसल लगायी। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण पूर्ण लॉकडाउन के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भी वह फसल को बेचने और लाभ प्राप्त करने में सफल रहे और उन्होंने अच्छा लाभ भी अर्जित किया।

हाल ही में, श्री भारत भूषण को जिला

सारणी 1: खरीफ में सब्जियों के उत्पादन से लाभ

खरीफ 2019	**कुल लागत (रुपये)**	**विक्रय मात्रा (क्विंटल)**	**औसत मूल्य (रुपये)**	**विक्रय मूल्य (रुपये)**
जिमीकंद	30000	27	3000	81000
भिंडी	2000	5	2000	10000
हल्दी	3000	8	2100	16800
अरबी	5000	9	3500	31500
समस्त	40000			139300
खरीफ 2020				
जिमीकंद	30000	55	3000	165000
भिंडी	2000	5	2000	10,000
हल्दी	40000	100	3000	300000
अरबी	5000	5	4000	20000
समस्त	77000			495000

गमलों में सब्जी के पौधे

बिलासपुर में किसानों की भारी मांग के कारण बिक्री हेतु व्यावसायिक अंकुर उत्पादन शुरू करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी मिला है। इसके साथ ही वह सभी व्यावसायिक सब्जियों जैसे कि खीरा, प्याज और फूलगोभी के बीज उत्पादन में शामिल कर बहुत अच्छा लाभ कमा रहे हैं। वह जिमीकंद (*अमोर्फोफैलस पेओनीफोलियस डेन्स्ट-निकोलसन*) सहित अन्य कंद फसलों के बीज के उत्पादन में सक्रिय रूप से शामिल हैं और उन्होंने खुद को उस क्षेत्र में एक संभावित बीज उत्पादक के रूप में भी स्थापित किया है। पिछले वर्ष के दौरान उन्होंने जिला बिलासपुर के किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए 'पालम-जिमीकंद -1' किस्म के लगभग 100 क्विंटल बीज उगाए थे। अब, हिमाचल प्रदेश के कई किसान जिमीकंद और अन्य सब्जियों की पौध तथा गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उत्पादन के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं, जो बागवानी में आय का एक संभावित स्रोत है।

सारणी 2: रबी में सब्जियों के उत्पादन से लाभ

रबी 2019-20	**कुल लागत (रुपये)**	**विक्रय मात्रा (क्विंटल)**	**औसत मूल्य (रुपये)**	**विक्रय मूल्य (रुपये)**
फूलगोभी (अगेती)	10000	12	3100	37200
फूलगोभी (मुख्य)	15000	25	2500	62500
पत्तेदार सब्जियां	5000	11	1800	19800
समस्त	**30000**			119500
रबी 2020-21	40000			139300
फूलगोभी (अगेती)	10000	15	3300	49500
फूलगोभी (मुख्य)	20000	35	3000	105000
पत्तेदार सब्जियां	7000	15	1500	22500
समस्त	**37000**			**177000**

इस क्षेत्र में व्यावसायिक स्तर पर फसल विविधीकरण के परिणामस्वरूप बहुत अच्छा लाभ हुआ है जिसने जिले के अन्य किसानों को भी उच्च आय के लिए सब्जी की खेती करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में जिमीकंद जैसी नई सब्जियों की वैज्ञानिक खेती और लोकप्रियता ने कृषक समुदाय को आत्मनिर्भर और लाभदायक होने का एक नया अवसर प्रदान किया है।